यूकोकानपुरमासिकी

अंचल कार्यालय कानपुर का मासिक न्यूज़ बुलेटिन, मई -जून 2021 (संयुक्तांक)

यूको बैंक UCO BANK

सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust

यूको बैंक ,अंचल कार्यालय कानपुर , 75/ 4 सिद्धि सदन ,हाल्सी रोड ,कानपुर

सक्षम हैं हम, जीतेंगे हम

संपादक मंडल

संरक्षक

श्री अमित भारद्वाज
अंचल प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक

मार्गदर्शन

श्री मुनव्वर इक़बाल
उप अंचल प्रमुख

विशेष सहयोग

श्री शिवशंकर शर्मा
मुख्य प्रबंधक

श्रीमती नेहा मित्तल
मुख्य प्रबंधक

श्री मनीष त्रिपाठी
मुख्य प्रबंधक

सहयोग

श्री शुभम मिश्रा
प्रबंधक कार्यनीति आयोजना

श्री दुर्गेश तिवारी
सहाप्रबंधक कार्यनीति आयोजना .

संपादक

डॉ. शिल्पी शुक्ला
वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा

अंचल प्रमुख का संदेश

प्रिय साथियो,

नमस्कार,

जैसा कि आपको ज्ञात है कि कोरोना की दूसरी लहर नियंत्रण में आ चुकी है। यह हम सभी को राहत का अनुभव करा रही है। साथियो, हालांकि कोरोना की दूसरी लहर नियंत्रण में है, फिर भी हमें पहले ही की भांति कोविड मानदंडों का पालन करना है।

मुझे उम्मीद है कि आप सभी ने कोरोना से लड़ने के लिए वैक्सीनेशन करवा लिया होगा। निश्चित रूप से यह समय हमारे लिए कठिन है पर अपनी सूझबूझ और एहतियात बरत कर हम इससे आसानी से बाहर आ सकते हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 के लगभग तीन माह कोविड की दूसरी लहर की भेंट चढ़ चुके हैं। चूंकि कोविड-19 की लहर वर्तमान में नियंत्रण में है हम सभी को इस वित्तीय वर्ष के शेष 9 महीनों में लक्ष्य प्राप्ति के लिए 12 महीनों की मेहनत करनी होगी।

यह समय हमारे व्यवसाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हमें वर्तमान वित्तीय वर्ष में अपने व्यवसाय में बढ़ोत्तरी करनी होगी। इसके लिए-

1. पहली प्राथमिकता हमारी आस्तियों को अर्नजक होने से रोकने के लिए सजगता से ऋण निगरानी है ।
2. एन.पी.ए. खातों में अधिकाधिक नकद वसूली करें।
3. कासा जमाराशि में वृद्धि करें क्योंकि कम लागत की जमाराशियां हमारे लिए आवश्यक हैं।
4. गुणवत्तापरक ऋण करें। रीटेल, एम.एस.एम.ई. और कृषि ऋण के लिए आपको जो लक्ष्य दिए गए हैं उन्हें प्राप्त करें।
5. बैंक के ए.डी.सी. उत्पाद अपने ग्राहकों को लेने के लिए प्रेरित करें। वार रूम डैशबोर्ड का एम.बैंकिंग जारी करने के लिए प्रभावी तरीके से प्रयोग करें।
6. मेरी अपील है कि सभी स्टाफ सदस्य गृह ऋण की दो लीड अनिवार्य रूप से एच.आर.एम.एस. में अपलोड करें।

ऐसे खाते जो मई से जुलाई 2021 में एन.पी.ए. हुए हैं उन्हें रिसोल्यूशन फ्रेमवर्क 2.0 के अंतर्गत हमें रीस्ट्रक्चर करना है। नए एन.पी.ए. खातों में पुराने खातों की तुलना में रिकवरी आसान होती है। इसे ध्यान में रखते हुए हमें तुरंत कार्रवाई करनी है। इस ओर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए कि कोई भी शाखा मार्च 2021 से व्यवसाय की किसी भी मद में 31 जुलाई 2021 को नकारात्मक न रहे।

नॉन इंट्रेस्ट इंकम बैंक आय का अच्छा स्रोत है, इसके लिए एस.बी.आई लाइफ इंश्योरेंस एवं केयर हेल्थ की पॉलिसी विक्रय करने पर ज़ोर दें । 'यूको बैक्सी 999' योजना को ग्राहकों में प्रचारित करें।

हमें पूर्ण विश्वास है कि उपरोकत कार्ययोजना का एकाग्रचित होकर पालन करने से वित्तीय वर्ष 2021-21 में 15 दिन की पी.एल.आई. प्राप्त करने का हमारा स्वप्न साकार हो सकेगा। राजभाषा हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करें तथा उसका रिकार्ड भी रखें। मुझे विश्वास है कि हम सभी मिलकर अपने प्रयासों में अवश्य सफल होंगे।

शुभकामनाओ सहित ।

अमित भारद्वाज
अंचल प्रमुख

उप अंचल प्रमुख का संदेश

प्रिय साथियो,

नमस्कार,

हम सभी नए वित्तीय वर्ष की नवीन तिमाही में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ चुके हैं। हमारे सामने चुनौतियों से भरा आकाश है और हमें इसमें अपनी उड़ान भरनी है।

मेरा आपको परामर्श है कि आप व्यवसाय के सभी पक्षों पर सम्यक रूप से ध्यान देते हुए कार्य करें। इस समय हमें अपना फोकस वसूली और अग्रिमों पर रखने की आवश्यकता है। परंतु जमा की अनदेखी भी नहीं करनी है। हमें हर हाल में अपनी कासा जमाराशियां बढ़ानी हैं और ए.डी.सी. प्रोडक्ट्स को भी जनता के मध्य प्रचारित करना है।

इसके साथ ही साथ प्रत्येक शाखा में चालू खातों में एक करोड़ की धनराशि की वृद्धि करनी है। इसके लिए अभी से तैयारी करें और अपना 'कासा' का लक्ष्य प्राप्त करें। 'डोर स्टेप बैंकिंग' योजना में नोडल शाखाएं अधिक से अधिक ग्राहकों को पंजीकृत करें।

सभी शाखाएं यूको संजीवनी, यूको आरोग्यम और यूको कवच योजनाओं के अंतर्गत ग्राहकों को ऋण प्रदान करें। एस.बी.आई; लाइफ इंश्योरेंस को बढ़ावा दें।

ग्राहक हमारे लिए भगवान के समान हैं। ग्राहकों से ही बैंक का अस्तित्व है। ग्राहकों का सम्मान करें। अच्छी ग्राहक सेवा 'कासा' बढ़ाने में शक्तिवर्धक का काग्र कार्य करेगी। ग्राहक को शिकायत का अवसर न दें। ग्राहक की शिकायत का निस्तारण तुरंत किया जाना चाहिए।

सभी शाखाओं को प्रतिदिन अपना काम इस प्रकार से करना है कि शाखाओं में किसी भी क्षेत्र में लंबित मामले न हों। शाखाएं राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक कार्य करें। कोविड-19 के दुष्प्रभावों से बचने के लिए कोरोना मानदंड़ों का अनुपालन करें। आप स्वयं भी वैक्सीन लें एवं अन्य लोगों को भी वैक्सीन लेने के लिए प्रेरित करें।

शुभकामनाओ सहित ।

मुनव्वर इक़बाल
उप अंचल प्रमुख

संपादकीय

डॉ.शिल्पी शुक्ला
वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा

प्रिय साथियो,

नमस्कार,

'यूको कानपुर मासिकी' पत्रिका का मई-जून 2021 संयुक्तांक आपके सामने है। इस अंक में हमारे अंचल की व्यवसायिक गतिविधियों के अतिरिक्त अन्य विषयों का भी समावेश किया गया है। 'योग' पर लेख, 'मेरा भारत महान' कविता, 'यूको सुविधा सैलेरी' खातों पर जानकारी, 'ऑन लाइन हिंदी कार्यशाला', राजभाषा का वार्षिक कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजन, एस.बी.आई. लाइफ की स्टार परफार्मर शाखाएं, कानपुर अंचल में स्थित ललितपुर जिले की जानकारी इस अंक में दी गई है। पत्रिका को और भी उपयोगी बनाने के लिए हमेशा की तरह आपके सुझाव और विचार आमंत्रित हैं।

मेरा आपसे अनुरोध है कि आप सभी अपनी शाखाओं में राजभाषा में कार्य बढ़ाएं। हमारे उच्च प्रबंध तंत्र द्वारा वर्तमान समय में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया जा रहा है। माननीय एम.डी. एवं सी.ई.ओ महोदय ने राजभाषा हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए सभी को प्रेरित किया है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम राजभाषा हिंदी में काम को आगे बढ़ाते हुए शिखर पर ले जाएं।

शुभकामनाओ सहित ।

सम्मान आपके विश्वास का

कोरोना महामारी के विरुद्ध हम सभी युद्ध कर रहे हैं। इस महामारी के बीच बैंकों द्वारा दी गई सामाजिक सेवा को देखते हुए सरकार ने बैंकरों को कोरोना योद्धा की उपाधि दी है।

यूको बैंक ने पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से बैंकर कोरोना योद्धाओं के लिए 31.05.2021 को टीकाकरण कैंप प्रारंभ किया ।

हमारे एम.डी. एवं सी.ई.ओ. माननीय श्री अतुल कुमार गोयल जी ने अपील की है कि स्टाफ सदस्य जल्द से जल्द कोरोना टीका लगवाएं, जिससे हम सभी इस महामारी से विजयी होकर निकलें।

यूको बैंक ने रिजाल्यूशन फ्रेमवर्क 2.0 में किया विस्तार

❑ गारंटीकृत इमरजेंसी क्रेडिट लाइन 3.0 में 30 सितम्बर तक होगा आवेदन

कानपुर, 8 जून। यूको बैंक में लघु व्यवसाय और व्यक्तियों के लिये रिजाल्यूशन फ्रेमवर्क 2.0 उपलब्ध है। बैंक ने रिजाल्यूशन फ्रेमवर्क 2.0 के अंतर्गत सहायता में विस्तार किया है। सभी पात्र उधार प्राप्तकर्त्ता गारंटीकृत इमरजेंसी क्रेडिट लाइन 3.0 के अंतर्गत 30 सितम्बर 2021 तक आवेदन कर सकते है। यह जानकारी यूको बैंक के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अतुल कुमार गोयल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि दबावग्रस्त खातों का पुर्नगठन किये जाने का कदम मुख्य पहल है। कोविड-19 की दूसरी लहर के बुरे प्रभाव के विषय में पता लगाने के लिये बैंक ग्राहकों से सम्पर्क कर रहा है। श्री गोयल ने बताया कि बैंक की ओर से नये ऋण उत्पाद भी लांच किये गये है। जिसमें यूको संजीवनी, यूको आरोग्यम, यूको कवच और जीईसीएल 4.0 संजीवनी है। उन्होंने बताया कि बैंक जमा उत्पाद भी ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया है। यूको वैक्सी 999 यह योजना सीमित समय 30 सितम्बर 2021 तक के लिये है। यह अनूठी जमा योजना है जिसमें ब्याज दर 30 बेसिस अंक अधिक है।

अतुल कुमार गोयल

इसके अतिरिक्त बैंक ने बीमा उत्पाद भी बनाये है। जिन्हे बैंक अपने चैनल पार्टनर के साथ मिलकर जनता को उपलब्ध करा रहा है। जिसमें कोरोना कवच एवं कोरोना रक्षक विशिष्ट फ्लोटर पॉलिसी है। ग्रुप केयर 3 60 ग्राहकों के लिये एक फैमली फ्लोटर टॉप-प हेल्थ पॉलिसी है। यूको हेल्थ सुरक्षा क्षतिपूर्ति आधारित ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस योजना है। स्टार ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस (गोल्ड) बेहद उपयोगी बीमा योजना है। इसके साथ ही ग्रुप क्रेडिट लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी भी वर्तमान समय की जरूरतों को ध्यान में रख कर बनायी गयी है। यह बैंक के रीटेल ऋण प्राप्तकर्ताओं को लाइफ कवर देगी। वहीं कोविड-19 के कारण बैंक स्टाफ सदस्य की मृत्यु होने पर बीस लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने का भी ऐलान किया है। इसके साथ बैंक दिव्यांग और गर्भवती महिला कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सुविधा भी दे रहा है। बैंक द्वारा जरूरतमंदों को अनाज वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बैंक यास तूफान से प्रभावित रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है।

व्यवसाय

मई 2021 में शीर्ष शाखाएं

(धनराशि लाखों में)

चालू खाता

क्रम	आई.डी .	शाखा	धनराशि
1	1631	डिफेंस कालोनी	840.88
2	0301	रावतपाड़ा	691.03
3	1745	सुजातगंज	553.8
4	1617	किदवईनगर	521.77
5	0384	अरमापुर एस्टेट	507.69

बचत खाता

क्रम	आई.डी .	शाखा	धनराशि
1	0384	अरमापुर एस्टेट	10487.44
2	0310	बड़ा बाज़ार झांसी	5137.79
3	1745	सुजातगंज	5070.6
4	0348	बांगरमऊ	4590.24
5	0301	रावतपाड़ा	3726.47

कुल अग्रिम

क्रम	आई.डी.	शाखा	धनराशि
1	0300	अछनेरा	3226.13
2	0384	अरमापुर एस्टेट	3005.3
3	0310	बड़ा बाज़ार झांसी	2827.22
4	0005	अकोला	2554.12
5	0507	हरिपर्वत	2456.18

कुल व्यवसाय

क्रम	आई.डी .	शाखा	धनराशि
1	0384	अरमापुर एस्टेट	24575.62
2	0507	हरिपर्वत	17221.44
3	1745	सुजातगंज	15348.79
4	0310	बड़ा बाज़ार झांसी	14410.71
5	0744	ट्राइजंक्शन	12365.76

व्यवसाय

जून 2021 में शीर्ष शाखाएं

(धनराशि लाखों में)

चालू खाता

क्रम	आई.डी.	शाखा	धनराशि
1	0301	रावतपाड़ा	802.53
2	1631	डिफेंस कालोनी	705.95
3	0384	अरमापुर एस्टेट	598.94
4	0027	बेलनगंज	558.91
5	1745	सुजातगंज	546.22

बचत खाता

क्रम	आई.डी.	शाखा	धनराशि
1	0384	अरमापुर एस्टेट	10365.79
2	0310	बड़ा बाज़ार झांसी	5125.29
3	1745	सुजातगंज	4959.05
4	0348	बांगरमऊ	4760.27
5	0507	हरिपर्वत	3867.66

कुल अग्रिम

क्रम	आईडी.	शाखा	धनराशि
1	0300	अछनेरा	3223.08
2	0384	अरमापुर एस्टेट	2996.63
3	0310	बड़ा बाज़ार झांसी	2849.55
4	0005	अकोला	2570.75
5	0507	हरिपर्वत	2494.05

कुल व्यवसाय

क्रम	आई .डी.	शाखा	धनराशि
1	0384	अरमापुर एस्टेट	24618.78
2	0507	हरिपर्वत	17560.11
3	1745	सुजातगंज	15389.13
4	0310	बड़ा बाज़ार झांसी	14505.36
5	0301	रावतपाड़ा	12524.25

हमारी प्राथमिकताएं

कार्यनीति आयोजना विभाग

- कोई भी शाखा मार्च 2021 से किसी भी मानदंड में नकारात्मक नहीं होनी चाहिए।
- शाखाएं व्यवसाय वृद्धि हेतु सरकारी संस्थानों में संपर्क करें।
- शाखाएं बचत और चालू खाते खोलें।
- बैंक की व्याजेतर आय बढ़ाने के लिए इंश्योरेंस व्यवसाय को बढ़ाएं।

वित्त विभाग

- शाखाओं को सितंबर 2021 तक के लिए बकाया लॉकर रेंट वसूली के लक्ष्य भेजे जा चुके हैं, अपने लक्ष्य प्राप्त करें।
- 12.07.2021 से 20.09.2021 तक लॉकर अभियान है। खाली लॉकर को शाखाएं किराए पर दिया जाना सुनिश्चित करें।
- सभी शाखाएं15.08.2021 तक सी.के.वाई.सी रिकार्ड अपलोड कर दें।

वसूली विभाग

- सभी अर्ह खातों में सरफेयसी की कार्रवाई सुनिश्चित करें।
- एन .पी.ए खातों में अधिक से अधिक नकद वसूली सुनिश्चित करें।

सामान्य प्रशासन

- शाखाएं जहां आवश्यक हो एडवोकेट रिन्यूवल की कार्रवाई करें।
- सभी सिक्योरिटी आइटम जैसे फायर एक्सिटिंग्विशर ,अलार्म ,कैमरा सही दशा में होने चाहिए।
- जमा-नकद। अनुपात निर्धारित सीमा के भीतर ही रखें

ऋण विभाग

- शाखाएं एम.एस.एम.ई. एवं रीटेल ऋण नियमानुसार स्वीकृत करें।
- लंबित ओकास प्रविष्टियों का निस्तारण करें ।
- कृषि ऋणों के लक्ष्य प्राप्त करें।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

- समस्त शाखाएं बैंक के डिजीटल उत्पादों को अपने ग्राहकों के बीच प्रचारित करें।
- शाखा में नकद निकासी के लिए आने वाले वे ग्राहक जिनके पास ए.टी.एम. व डेबिट कार्ड नहीं हैं उन्हें ए.टी.एम-डेबिट कार्ड जारी किया जाना सुनिश्चित करें।

राजभाषा विभाग

- प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के सात दिनों के मध्य सिंगल साइन ऑन में हिंदी प्रगति रिपोर्ट अपलोड करना सुनिश्चित करें।
- सभी शाखाएं यह सुनिश्चित करें कि उपयोग किए जा रहे रजिस्टरों में हिंदी में ही प्रविष्टियां की जा रहीं हैं।
- राजभाषा अधिनियम (3)3 की धारा 1963के अंतर्गत आने वाले कागजातों को द्विभाषिक ही जारी किया जाए।
- राजभाषा हिंदी में किए गए कार्य का समुचित रिकार्ड भी अद्यतन रखें।

मानव संसाधन विकास विभाग

- सैलरी में परिवर्तन का विवरण सभी शाखाएं प्रत्येक महीने की 10 ख तक भेजना सुनिश्चित करें।तारी
- शाखाएं फैमिली पेंशन के कागजात सभी दृष्टि से पूरा कर के.वाई.सी. के साथ ही भेजें ।
- शाखा में सेवानिवृत्त हो रहे स्टाफ सदस्यों के टर्मिनल बेनिफिट के कागजात उनकी सेवानिवृत्ति वाले माह की 15 तारीख तक भेजना सुनिश्चित करें।

बैंकिंग शब्दावली

Concealment of income	आय छिपाना
Competent authority	सक्षम प्राधिकारी
Nominal price	नाम मात्र कीमत
Non-clearing bank	असमाशोधन बैंक
Optimum production	इष्टतम उत्पादन
Primary evidence	प्राथमिक साक्ष्य
Proprietary activities	स्वामित्व गतिविधि
Quoted shares	उधृत भाव वाले शेयर
Secondment basis	अस्थायी स्थानांतरण आधार पर
Tax deducted at source	स्रोत पर कर कटौती
Void contract	शून्य /अमान्य संविदा/ ठेका

योग की महत्ता

श्री एस.एस.शर्मा
मुख्य प्रबंधक, अंचल कार्यालय

'योग' प्रचीन काल से ही भारतीय जीवन पद्धति का अभिन्न हिस्सा रहा है। भगवान शिव को 'योग' का प्रथम गुरू माना जाता है। 'योग' का अर्थ है एकता या बांधना। इस शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के 'युज' शब्द से हुई है। जिसका अर्थ है जुड़ना । योग को एक आध्यात्मिक प्रक्रिया माना गया है जिसका उद्देश्य शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाना है। पारंपिक रूप से योग के छह प्रकार माने गए हैं -हठ, राज, कर्म, भक्ति, ज्ञान, तंत्र।

- योग को चार भागों में बांटा गया है।
- कर्मयोग जहां हम अपने शरीर का उपयोग करते हैं।
- भक्तियोग जहां हम अपनी भावनाओं का उपयोग करते हैं।
- ज्ञानयोग जहां हम अपने मन एवं बुद्धि का उपयोग करते हैं।

क्रिया योग जहां हम अपनी उर्जा का उपयोग करते हैं।

योग केवल शारीरिक रूप से व्यक्ति को स्वस्थ नहीं रखता है अपितु व्यक्ति को मानसिक रूप से शांति प्रदान कर प्रकृति और मनुष्य के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। 'योग' हमारी जीवन शैली में परिवर्तन कर हमें उन्नति के उच्च शिखरों पर लेकर जाता है।

यदि 'योग' के जन्म की बात की जाए तो हम यह पाते हैं कि मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में की गई खुदाई में पाई गई शिलाओं पर 'योग' की मुद्राएं अंकित पाई गईं हैं। इससे यह सिद्ध होता है कि 'योग' 5000 वर्ष पहले से प्रचलित था। वर्तमान समय में 'योग' की महत्ता और भी बढ़ गई है। जब मनुष्य का जीवन चक्र की भांति घूम रहा है। न ही शारीरिक शांति है और न ही मानसिक शांति। केवल एक आपाधापी और व्यग्रता ने हमारे जीवन को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। हमारे चारों ओर के वातावरण में फैला प्रदूषण और शोर हमें शारीरिक और मानसिक रूप से कमज़ोर बनाता जा रहा है। 'योग' समग्र रूप से व्यक्ति के जीवन के सभी पक्षों को उन्नत बनाता है। 'योग' आज के परिवेश में हम सभी के लिए अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। हमें पुन: अपनी संस्कृति की इस थाती को अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा तभी हम आज के परिवेश के साथ सामंजस्य बना सकेंगे।

योग का शारीरिक महत्व – श्वेताश्वर उपनिषद में कहा गया है-

न तस्य रोगो न जरा न मृत्यु।:

प्राप्तस्य योगाग्निमयं शरीरम् ।।

अर्थात योग को प्राप्त कर लेने वाले व्यक्ति के शरीर में न तो रोग उत्पन्न होते हैं, न बुढ़ापा आता है, न ही उसकी मृत्यु होती है। योग के द्वारा शरीर में प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से कार्य करते हैं। आज के परिवेश में हमारी शारीरिक क्षमता निरंतर कम होती जा रही है, इसे बढ़ाने के लिए 'योग' अत्यंत उपयोगी है। व्यक्ति को रोगों से दूर रखना और उसे स्वस्थ्य रखना 'योग' का एक उद्देश्य है।

मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में सहायक – 'योग' न केवल शारीरिक रूप से मनुष्य को स्वस्थ्य रखता है अपितु योग के आसन प्रणायाम मनुष्य के मानसिक तनाव को दूर कर उसे मानसिक शांति भी प्रदान करते हैं। इससे मनुष्य का शारीरिक और मानसिक सामंजस्य बना रहता है। आज की विषम परिस्थिति में 'योग' का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

जीवन में सकारात्मकता का संचार – 'योग' करने से मनुष्य के भीतर व्याप्त नकारात्मक विचार धीरे-धीरे लुप्त हो जाते हैं और उनका स्थान सकारात्मकता ले लेती है। वर्तमान परिवेश में व्याप्त नकारात्मकता और तनाव को दूर करने के लिए चिकित्सकों के द्वारा भी योग को एक हथियार के रूप में बताया गया है। मनुष्य के मन में भाग-दौड़ भरी जीवन शैली के कारण निराशा, कुण्ठा और हताशा का भाव पनपने लगता है जिसका सीधा प्रभाव उसके पारिवारिक जीवन तथा उसके विकास पर पड़ता है। 'योग' इस विषम परिस्थिति से मनुष्य को बाहर लाने में सक्षम है। इससे मनुष्य का आत्मिक विकास भी होता है।

एकाग्रता एवं बौद्धिक क्षमता के विकास में सहायक – 'योग' को अपनाने से मनुष्य की एकाग्रता बढ़ जाती है। वह लक्ष्योन्मुख हो कर बेहतर तरीके से काम कर पाता है। 'योग' और 'ध्यान' के द्वारा व्यक्ति एकाग्रचित हो जाता है। तार्किकता में भी वृद्धि होती है। इन सबके परिणामस्वरूप व्यक्ति में आत्मविश्वास आता है और आत्मविश्वास व्यक्ति के सर्वांगीर्ण विकास के द्वारा खोल देता है।

शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होने पर व्यक्ति की कार्यक्षमता भी बढ़ जाती है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अच्छे परिणाम प्राप्त होते हैं। आज पूरा विश्व एक बड़ी महामारी से गुजर रहा है। कोरोनाग्रसित व्यक्ति के इलाज के लिए जहां एक ओर उसके लिए दवाएं आवश्यक हैं वहीं दूसरी ओर उसके लिए योग भी उतना ही जरूरी है। आइसोलेशन में रहने वाले मरीजों की मानसिक दशा ठीक रखने के लिए चिकित्सकों द्वारा योग करने का परामर्श दिया जा रहा है। नि:संदेह ही योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लेने पर हम न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे अपितु मानसिक शांति और तनावमुक्त जीवन जी सकेंगें।

*****

मेरा भारत महान

श्री अहतशाम अहमद खान
वरिष्ठ प्रबन्धक

भारत चाँद है, कोई टूटता तारा नहीं है,

भारत खामोश है बस, भारत हारा नहीं है,

बहुत शांत है गलियाँ भारत की,

चहलकदमी भी कम है भारत मे,

हाँ ये सच है भारत खामोश है,

मगर भारत हारा नहीं है,

सच है की हर जगह माहौल मुरझाया हुआ है,

पूरे भारत का स्वरूप बहुत गमगीन है,

भारत ये कर रहा है अपनी हिफाज़त के लिए,

भारत आज चुप है कल ये फिर तराने गाएगा,

भारत आज खामोश है,

मगर कल ये फिर मुस्कुराएगा,

भारत कल फिर से मुस्कुराएगा,

ज़रूर मुस्कुराएगा |

****

यूको सुविधा सैलेरी खाते

श्रीमती मोनिका पाण्डेय
प्रबंधक अंचल कार्यालय

यूको बैंक ने अपने चैनल पार्टनर ओरिएंटल इंश्योरेंस कम्पनी लि. के साथ टाइ-अप एरेंजमेंट में अपने ग्राहकों के लिए यूको सुविधा सैलेरी खातों में 20 लाख रूपए के समूह व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु इंश्योरेंस कवर की अतिरिक्त सुविधा प्रारंभ की है।

यह योजना ग्राहकों के लिए अत्यंत लाभदायक है। इस योजना के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं-

हमारी ग्राहक संस्था के कर्मचारियों को इलेक्ट्रानिक माध्यम से वेतन संवितरण की सुविधा, ओवर ड्राफ्ट की सुविधा, नि:शुल्क चेक बुक की सुविधा दी जाएगी। खाते में न्यूनतम शेष पर कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा ।

केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, सरकारी उपक्रमों, विश्व विद्यालयों, निजी विश्व विद्यालयों, स्कूल एवं कालेजों के लिए यह सुविधा बिना किसी प्रभार के उपलब्ध है।

यह केवल टाइ-अप सुविधा के अंतर्गत ही उपलब्ध है।

प्रति संस्था के न्यूनतम 50 वेतन खाते होने चाहिए।

सम एश्योर्ड सकल वेतन (ग्रास सैलरी) का 50-100 गुना होगा जो कि अधिकतम रू. 20 लाख तक है।

खाते में डेबिट कार्ड जारी किया जाएगा जिसे अनिवार्य रूप से सक्रिय किया जाना चाहिए। कार्ड की श्रेणी के अनुरूप वार्षिक रख रखाव एवं कार्ड इश्यू प्रभार लागू होंगे।

बीमा कवरेज – रू. 20 लाख समूह व्यक्तिगत दुर्घटना (दुर्घटना मृत्यु हेतु केवल) स्थायी/आंशिक विकलांगता हेतु कोई कवरेज नही है, स्थायी पूर्ण विकलांगता हेतु कोई कवरेज नहीं, हवाई दुर्घटना में मृत्यु हेतु कवरेज नहीं।

यूको सुविधा सैलरी खातों में बीमा कवर हेतु अंचल प्रमुख सक्षम प्रधिकारी होंगे।

बैंक और संस्था के मध्य मास्टर एग्रीमेंट हस्ताक्षरित होगा।

हम इस योजना को अपनी ग्राहक संस्थाओं के मध्य प्रचारित कर लाभ उठा सकते हैं।

****

ऑन लाइन हिंदी कार्यशाला- 26.06.2021

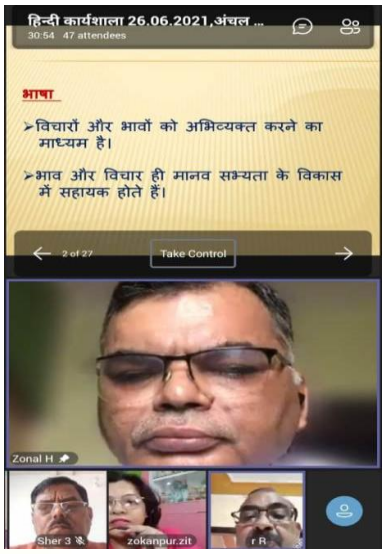

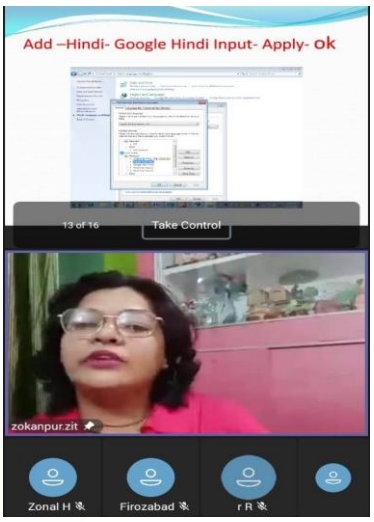

26.06.2021 को अंचल कार्यालय द्वारा शाखा प्रबंधकों के लिए 'ऑन लाइन हिंदी कार्यशाला' का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन अंचल प्रमुख श्री अमित भारद्वाज ने किया । उन्होंने शाखा प्रबंधकों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी में काम करना हमारी आवश्यकता है। हम सभी को हिंदी में अधिक से अधिक काम करना चाहिए। कार्यशाला में 43 शाखा प्रबंधकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्यशाला में पी.पी.टी. के माध्यम से राजभाषा हिंदी से संबंधित नियमों, अधिनियमों की जानकारी दी गई। शाखाओं को यह भी बताया गया कि वे किस प्रकार से अपनी शाखा में हिंदी का कामकाज बढ़ा सकते हैं। पी.पी.टी. के ही माध्यम से प्रतिभागियों को कम्प्यूटर पर यूनीकोड इन्स्टॉल करने एवं उस पर कार्य करने का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यशाला में आभार ज्ञापन उप अंचल प्रमुख श्री मुनव्वर इक़बाल द्वारा किया गया। कार्यशाला का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा डॉ.शिल्पी शुक्ला ने किया । सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रबंधक श्री अमितेश सिन्हा द्वारा तकनीकी सहयोग दिया गया।

****

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यूको बैंक अंचल कार्यालय कानपुर द्वारा एक वर्चुअल योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अंचल कार्यालय एवं शाखाओं के समस्त स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। इस योग शिविर में योग प्रशिक्षक सुश्री पल्ल्वी शर्मा ने अपने वर्चुअल माध्यम से योग का प्रशिक्षण दिया। इसके अतिरिक्त शाखाओं में स्टाफ सदस्यों ने योग किया।

वित्तीय वर्ष 2021-22 का वार्षिक कार्यक्रम

क्रम सं.	कार्य विवरण	'क' क्षेत्र
1	हिंदी में मूल पत्राचार(ई-मेल सहित)	'क' क्षेत्र से 'क' क्षेत्र को 100%
		'क' क्षेत्र से 'ख' क्षेत्र को 100%
		'क' क्षेत्र से 'ग' क्षेत्र को 65%
		'क' क्षेत्र से 'क' एवं 'ख' क्षेत्र के राज्य /संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय व व्यक्ति को 100%
2	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर दिया जाना	100%
3	हिंदी में टिप्पण	70%
4	नागरिक चार्टर तथा जनसूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन द्विभाषी हो	100%

******

एस.बी.आई. लाइफ इंश्योरेंस के स्टार परफार्मर

रावतपाड़ा शाखा

हरिपर्वत शाखा

गोविंद नगर शाखा

नारायण विद्यापीठ शाखा

कानपुर बार एसोसिएशन शाखा

किदवईनगर शाखा

परेड शाखा

पी.रोड शाखा

प्रेरक प्रसंग

ईश्वर

एक दिन सुबह सुबह दरवाजे की घंटी बजी । दरवाजा खोला तो देखा एक आकर्षक कद -काठी का व्यक्ति चेहरे पे प्यारी सी मुस्कान लिए खड़ा है ।*

मैंने कहा, "जी कहिए"..

तो उसने कहा,

अच्छा जी, आप तो रोज़ हमारी ही गुहार लगाते थे,

मैंने कहा

"माफ कीजिये, भाई साहब ! मैंने पहचाना नहीं, आपको"...

तो वह कहने लगे,

"भाई साहब, मैं वह हूँ, जिसने तुम्हें साहेब बनाया है ...अरे ईश्वर हूँ.., ईश्वर ..तुम हमेशा कहते थे न कि नज़र मे बसे हो पर नज़र नही आते ..लो आ गया !..अब आज पूरे दिन तुम्हारे साथ ही रहूँगा।"

मैंने चिढ़ते हुए कहा,

"ये क्या मज़ाक है?"

"अरे मज़ाक नहीं है, सच है। सिर्फ़ तुम्हे ही नज़र आऊंगा। तुम्हारे सिवा कोई देख -सुन नही पायेगा, मुझे।"

कुछ कहता इसके पहले पीछे से माँ आ गयी" ..अकेला ख़ड़ा -खड़ा क्या कर रहा है यहाँ, चाय तैयार है , चल आजा अंदर"..

अब उनकी बातों पे थोड़ा बहुत यकीन होने लगा था, और मन में थोड़ा सा डर भी था ..मैं जाकर सोफे पर बैठा ही था, तो बगल में वह आकर बैठ गए। चाय आते ही जैसे ही पहला घूँट पिया मैं गुस्से से चिल्लाया,

"अरे मां..ये हर रोज इतनी चीनी ?"

इतना कहते ही ध्यान आया कि अगर ये सचमुच में ईश्वर है तो इन्हें कतई पसंद नही आयेगा कि कोई अपनी माँ पर गुस्सा करे। अपने मन को शांत किया और समझा भी दिया कि 'भई, तुम नज़र में हो आज ...ज़रा ध्यान से।'

बस फिर मैं जहाँ -जहाँ ...वह मेरे पीछे -पीछे पूरे घर में ...थोड़ी देर बाद नहाने के लिये जैसे ही मैं बाथरूम की तरफ चला, तो उन्होंने भी कदम बढ़ा दिए..

मैंने कहा,

"प्रभु, यहाँ तो बख्श दो"...

*खैर, नहा कर, तैयार होकर मैं पूजा घर में गया, यकीनन पहली बार तन्मयता से प्रभु वंदन किया, क्योंकि आज अपनी ईमानदारी जो साबित करनी थी ..फिर आफिस के लिए निकला, अपनी कार में बैठा, तो देखा बगल में महाशय पहले से ही बैठे हुए हैं। सफ़र शुरू हुआ तभी एक फ़ोन आया, और फ़ोन उठाने ही वाला था कि ध्यान आया, 'तुम नज़र मे हो।'

कार को साइड मे रोका, फ़ोन पर बात की और बात करते -करते कहने ही वाला था कि 'इस काम के ऊपर के पैसे लगेंगे' ...पर ये तो गलत था, : पाप था तो प्रभु के सामने कैसे कहता तो एकाएक ही मुँह से निकल गया,"आप आ जाइये । आपका काम हो जाएगा, आज।"

फिर उस दिन आफिस मे ना स्टाफ पर गुस्सा किया, ना किसी कर्मचारी से बहस की 25 - 50 गालियाँ तो रोज़ अनावश्यक निकल ही जाती थी मुँह से, पर उस दिन सारी गालियाँ, 'कोई बात नही, इट्स ओके...'मे तब्दील हो गयीं।वह पहला दिन था जब क्रोध, घमंड, किसी की बुराई, लालच, अपशब्द , बेईमानी, झूठ ये सब मेरी दिनचर्या का हिस्सा नही बनें।

शाम को आफिस से निकला, कार में बैठा, तो बगल में बैठे ईश्वर को बोल ही दिया...

"प्रभु सीट बेल्ट लगा लें, कुछ नियम तो आप भी निभायें ...उनके चेहरे पर संतोष भरी मुस्कान थी"...

घर पर रात्रि भोजन जब परोसा गया तब शायद पहली बार मेरे मुख से निकला,*

"प्रभु, पहले आप लीजिये ।"

और उन्होंने भी मुस्कुराते हुए निवाला मुँह मे रखा। भोजन के बाद माँ बोली,

"पहली बार खाने में कोई कमी नही निकाली आज तूने। क्या बात है ? सूरज पश्चिम से निकला है क्या, आज?"*

मैंने कहा, माँ आज सूर्योदय मन में हुआ है ...रोज़ मैं महज खाना खाता था, आज प्रसाद ग्रहण किया है माँ, और प्रसाद मे कोई कमी नही होती।"

थोड़ी देर टहलने के बाद अपने कमरे मे गया, शांत मन और शांत दिमाग के साथ तकिये पर अपना सिर रखा तो ईश्वर ने प्यार से सिर पर हाथ फिराया और कहा,

"आज तुम्हे नींद के लिए किसी संगीत, किसी दवा और किसी किताब के सहारे की ज़रुरत नहीं है।"

गहरी नींद गालों पे थपकी से उठी...

"कब तक सोयेगा.. , जाग जा अब।"

माँ की आवाज़ थी ...सपना था शायद ...हाँ, सपना ही था पर नींँद से जगा गया ...अब समझ में आ गया उसका इशारा...

"तुम नज़र में हो...।"

जिस दिन ये समझ गए कि" वो "देख रहा है, सब कुछ ठीक हो जाएगा। सपने में आया एक विचार भी आंखे खोल सकता है।

बस हमेशा याद रखो कि.....

हम सांसारिक कैमरे की नही बल्कि प्रभु के कैमरे की नजर में हर समय हैं। (व्हाट्स अप से साभार)

*****

राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन हेतु 12 प्र की रूपरेखा और रणनीति

प्रेरणा	*प्रचार*
प्रोत्साहन	*प्रसार*
प्रेम	*प्रबंधन*
प्राइज़ अर्थात पुरस्कार	*प्रमोशन (पदोन्नति)*
प्रशिक्षण	*प्रतिबद्धता*
प्रयोग	*प्रयास*

ललितपुर

ललितपुर भारत के राज्य उत्तर प्रदेश में एक जिला मुख्यालय है। और यह उत्तर प्रदेश की झांसी डिवीजन के अंतर्गत आता है। और यह जिला बुंदेलखंड का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र और बहुत ही आकर्षक पर्यटन स्थल है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग 26 पर स्थित है और रेलवे की आसान पहुँच भी है। उत्तर मध्य रेलवे जोन के अंतर्गत आने वाला ललितपुर रेलवे स्टेशन, झांसी और भोपाल के बीच में है। यह चारों ओर से पूर्ण रूप से भारत के मध्य प्रदेश राज्य से घिरा हुआ है, यह उत्तर प्रदेश के झांसी जिले से उत्तर-पूर्व में एक संकीर्ण गलियारे के द्वारा उत्तर प्रदेश से जुड़ा हुआ है, लेकिन अन्यथा लगभग पूरी तरह से मध्य प्रदेश राज्य से घिरा हुआ है; जिसके पूर्व में टीकमगढ़ जिला, दक्षिण में सागर जिला, और पश्चिम अशोकनगर और शिवपुरी जिलों से अपनी सीमाएं साझा करता है। ललितपुर का इतिहास बहुत प्राचीन है। और यहां ऐतिहासिक, धार्मिक और खुबसूरत पर्यटन स्थल है।

ललितपुर जिला पूर्व में चंदेरी राज्य का हिस्सा था, ललितपुर की स्थापना 17 वीं शताब्दी में एक बुंदेला राजपूत ने की थी, जो ओरछा के रुद्र प्रताप के वंशज थे। 18 वीं शताब्दी में चंदेरी, अधिकांश बुंदेलखंड के साथ, मराठा आधिपत्य में आया था। पड़ोसी ग्वालियर के दौलत राव सिंधिया ने 1811 में चंदेरी राज्य की घोषणा की। 1844 में, चंदेरी के पूर्व राज्य को अंग्रेजों को सौंप दिया गया था, और ललितपुर शहर के साथ जिला मुख्यालय के रूप में ब्रिटिश भारत का चंदेरी जिला बन गया। अंग्रेजों ने 1857 के भारतीय विद्रोह में जिले को खो दिया, और 1858 के अंत तक इसका पुनर्निर्माण नहीं हुआ। 1861 में, चंदेरी सहित बेतवा के पश्चिम के हिस्से का हिस्सा ग्वालियर वापस आ गया, और शेष ललितपुर जिले का नाम बदल दिया गया। 1891 से 1974 तक ललितपुर जिले को झांसी जिले का हिस्सा बनाया गया था। वर्ष 1974 में ललितपुर को एक जिले के रूप में उकेरा गया वास्तव में न केवल हृदय प्रदेश है, बल्कि बुंदेलखंड क्षेत्र का भी महत्वपूर्ण जिला है।

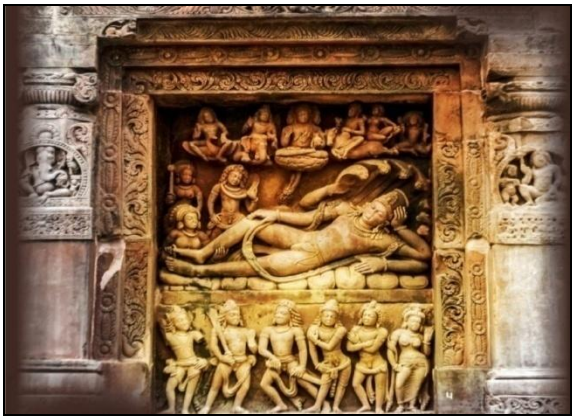

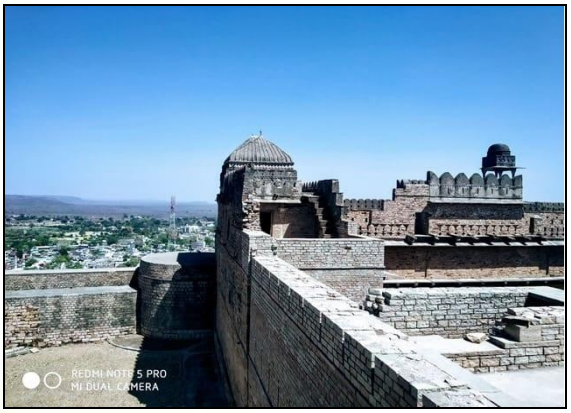
REDMI NOTE 5 PRO
AI DUAL CAMERA

देवघर

ललितपुर जिला मुख्यालय से देवघर की दूरी लगभग 33 किलोमीटर है। देवघर एक छोटा सा गांव है जो जिले के बिरधा ब्लॉक के अंतर्गत आता है। देवघर बेतवा नदी के तट पर विध्यांचल पर्वत श्रृंखला के दक्षिण-पश्चिम में बसा एक ऐतिहासिक, धार्मिक और रमणीक स्थल है। यह ललितपुर पर्यटन स्थलों मे सबसे प्रमुख स्थान है। देवघर का अर्थ है देवताओं का घर, और देवघर जो सिर्फ नाम का ही नहीं वास्तव में भी देवताओं का गढ़ है। यहां कई प्राचीन मंदिर, किले पर्यटकों को आकर्षित करते है। जिसमें दशावतार मंदिर, देवघर किला और 31 जैन मंदिर प्रमुख है। जिनके बारें मे हम आगे विस्तार से जानेंगे।

दशावतार मंदिर

दशवातार मंदिर देवघर के मुख्य दर्शनीय स्थलो मे से एक है। जिसके बारे में कहा जाता है कि यह गुप्तकाल में बनाया गया था। यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। जहाँ भगवान विष्णु के दस अवतारों के दर्शन होते है। जिसके कारण इसका नाम दशावतार पड़ा। मंदिर के प्रवेशद्वार पर पर देवियों की भी मूर्तियां बनी है। मंदिर पूर्ण रूप से पत्थर का बना है। जो कला का बेहतरीन नमूना है।

जैन मंदिर

दशवातार मंदिर से लगभग 500 मीटर की दूरी पर 31 जैन मंदिरों का समूह है। इस जैन मंदिर समूह देवघर में 8 वी शताब्दी से लेकर 17 वी शताब्दी तक के मंदिर स्थापित है। देवघर जैन मंदिर परिसर भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित स्मारक परिसर है। यह पूरा परिसर देवघर किले के अंदर स्थापित है। और इस परिसर स्थापित जैन तीर्थंकरों की मूर्तियां, भत्ति चित्र, और खम्भों पर उत्कीर्ण की गई सुंदर आकृतियां ललितपुर की यात्रा पर आने वाले पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है।

राजघाट बांध

राजघाट बांध मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारों की एक अंतर-राज्यीय बांध परियोजना है, जो मध्य प्रदेश के चंदेरी से लगभग 14 किमी और उत्तर प्रदेश के ललितपुर से 22 किमी बेतवा नदी पर स्थित हैं। राजघाट डैम बहुत ही सुंदर और मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है। कई बॉलीवुड फिल्मों की शुटिंग भी यहां हो चुकी है। राजघाट डैम ललितपुर के आसपास घूमने लायक जगहों में सबसे उत्तम स्थान है।

नीलकंठेश्वर महादेव

नीलकंठेश्वर एक प्रसिद्ध हिंदू मंदिर है जो उत्तरी भारत के हरित पर्वतीय क्षेत्र में स्थित भगवान शिव को समर्पित है। भगवान शिव की यहां स्थापित मूर्ति अद्वितीय है, इसके तीन सिर हैं, और इसे भगवान शिव के अवतार में से एक माना जाता है। मंदिर भारत के उत्तर प्रदेश में ललितपुर जिले के पाली में स्थित है। आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लोगों का मानना है कि मूर्ति पहाड़ से खुद निकली थी और इसके चारों ओर मंदिर बनाया गया था। महाशिवरात्रि पर्व के दौरान हर साल बहुत विशाल मेला यहां लगता है। इस दिन को भगवान शिव और देवी पार्वती से विवाह करने का दिन माना जाता है। इस दिन भक्तों का जुलूस देखा जा सकता है।

तालबेहट किला

तालबेहट ललितपुर जिले में झांसी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है। यह शहर यहां स्थित प्रसिद्ध तालबेहट किले के लिए जाना जाता हैं। तालबेहट किले का निर्माण 1618 में भरत शाह ने करवाया था। जब रानी लक्ष्मीबाई अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष कर रही थीं, तब वह महाराजा मर्दन सिंह के क्षेत्र में थी। यह किला एक बड़ी झील के किनारे स्थित है। तालबेहट शहर इस झील जितना बड़ा है। इस किले की एक दीवार को नष्ट करने के बाद अंग्रेज झांसी चले गए। यह बहुत ही शांत जगह है। एक प्रसिद्ध नरसिंह मंदिर है जो किले के अंदर स्थित है। इस किले के दो मुख्य द्वार हैं। किला झांसी-ललितपुर फोर लेन सड़क पर स्थित है। राजा मर्दन सिंह ने इस किले से यहां शासन किया था और उन्होंने 1957 में रानी लक्ष्मी बाई के साथ अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। किले को अंदर तीन मंदिर हैं, जो अंगद, हनुमानजी और नरसिंह भगवान को समर्पित हैं। किले में विशाल संरचनाएँ हैं और यह विशाल मानसरोवर झील के तट पर स्थित है। तालबेहट झील विभिन्न जल क्रीड़ा गतिविधियों के लिए उपयुक्त है। वर्तमान में पैडल बोट के साथ बोट क्लब की सुविधा उपलब्ध है, घाट जेट्टी और रेस्तरां भी है। परिसर में झील के किनारे हज़ारिया महादेव मंदिर भी दर्शन योग्य है।

देवा माता मंदिर तालबेहट

देवा माता मंदिर तालबेहट तहसील के ककरारी गांव में स्थित एक हिन्दू मंदिर है। ललितपुर जिले और उसके आसपास के जिलों में यह मंदिर काफी प्रसिद्ध है। बड़ी संख्या में श्रृद्धालु यहां आते है। मंदिर मां दुर्गा को समर्पित है। और उनके अनेक रूपों की मूर्तियां यहा दर्शन योग्य है।

*****

एक टीम, एक स्वप्न, एक लक्ष्य / One Team, One Dream, One Target

'एक ही लक्ष्य, एक ही नारा, राजभाषा कीर्ति पुरस्कार हो हमारा'